अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे लगातार पांचवें वर्ष आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी हो रही है.

वर्ष के दौरान:

i. भारत सरकार ने आपके बैंक में दो बार पूंजी निवेश किया है. प्रथम बार, माह सितंबर 2016 में, ₹ 446 करोड़ की राशि और दूसरी बार, माह मार्च 2017 में ₹ 600 करोड़ पूंजी की राशि के रूप में निवेश किया.

ii. बैंक शेयरों के अधिमानी निर्गम के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम ने ₹ 172.33 करोड़ से अभिदत्त किया है.

iii. बैंक शेयरों के अधिमानी निर्गम के लिए भारतीय साधारण बीमा निगम ने ₹ 20 करोड़ से अभिदत्त किया है.

इन पूंजी को लगाने और अभिदानों के कारण इस कठिन समय में भी आपका बैंक 11.39% की सुधरी हुई पूंजी पर्याप्तता अनुपात दर्ज करने में सक्षम हुआ है.

लागत को कम करने के अपने सतत प्रयासों में, बैंक ने 8.76 % की कूपन दर पर बेसल III अनुपालित अतिरिक्त टियर I (ए.टी.1) बांड जारी करके ₹ 400 करोड़ की राशि जुटाई और ₹ 300 करोड़ की राशि के 9.20% की कूपन दर पर जारी किए गए बॉडों का मोचन किया.

इस क्रम में दूसरे वर्ष के लिए, बैंक की मजबूत ब्रांड छवि "अधिकतम विश्वस्त ब्रांड्स - 2016" के इकॉनॉमिक टाइम्स ब्रैंड इक्विटी सर्वेक्षण में मान्यता दी गई, जहां सशक्त ब्रांड इक्विटी श्रेणी के अंतर्गत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में आपका बैंक 10 वें स्थान पर था. बैंक के हितधारकों के रूप में, यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है.

वित्त वर्ष 2016-17 में बैंक के मुख्य निष्पादनों के बारे में आपको जानकारी देने से पूर्व, मैं वैश्विक और भारतीय आर्थिक परिदृष्य और भारतीय बैंकिंग उद्योग के रूझानों के बारे में बताना चाहता हूं जो कि परिचालन वातावरण में उन चुनौतियों और अवसरों की रूपरेखा निर्मित करता है जिसमें आपका बैंक कार्य कर रहा है.

आर्थिक अवलोकन

2016 के ग्रीष्म काल के बाद से वैश्विक वृद्धि लगातार अच्छी रही है, जिसने वैश्विक परिवेश को उजागर किया है. वृद्धि उत्साही वित्तीय बाजारों के साथ तथा एक लंबे समय से विनिर्माण और व्यापार में प्रतीक्षित चक्रीय वसूली से वृद्धि में तेजी आ रही है. आई.एम.एफ. के अनुसार वैश्विक वृद्धि का अनुमान 2016 के 3.1% से बढ़कर 2017 में 3.5% होना पूर्वानुमानित है.

भारतीय अर्थव्यवस्था

"विमुद्रीकरण, दिवाला और दिवालियापन संहिता और वस्तु एवं सेवा कर बिल" के रूप में वित्तीय वर्ष 2016-17 में भारतीय अर्थव्यवस्था में वृहद् बदलाव आया.

भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने संयुक्त रूप से अन्य विनियामक और संरचनात्मक सुधारों सहित इन ऐतिहासिक घटनाओं ने उभरते हुए और विकासशील अर्थव्यवस्था के मध्य कारोबार और निवेश के लिए भारत को एक विख्यात केंद्र के रूप में निर्मित किया है.

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में अपने विश्वास को बनाए रखा है. एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) ने यह भी स्पष्ट किया है कि दक्षिण एशिया का विस्तार भारत में तेजी से वसूली के कारण ही होगा.

विमुद्रीकरण की ऐतिहासिक कार्रवाई को भारत को नकदी रहित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक उपाय के रूप में देखा जा सकता है. डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया आदि जैसी पहलों के माध्यम से भारत नए अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर विश्व के प्रथम राष्ट्रों में शामिल होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है.

वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) को लागू करने की अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई, अधिकांश अप्रत्यक्ष करों जैसे उत्पाद शुल्क, बिक्री और सेवाएं लेवी को एक कर में शामिल करके अप्रत्यक्ष कर संरचना को नया रूप प्रदान करेगा. इससे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को भी बढ़ावा मिलने की आशा है क्योंकि निर्माताओं को पूंजीगत वस्तुओं के लिए पर्याप्त निविष्टि कर ऋण प्राप्त होगा.

बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्तियां

भुगतान और लघु वित्त बैंकों और फिनटेक कंपनियों द्वारा परिचालनों के प्रारंभ के साथ बैंकिंग उद्योग की रूप-रेखा ने विस्तार करना आरंभ कर दिया है. हालांकि, बढ़ते एन.पी.ए. और ऋण वृद्धि में मंदी बैंकिंग उद्योग के लिए चुनौतियां बनी हुई हैं.

दिवाला और दिवालियापन संहिता के अधिनियमन तथा सरफेसी और डी.आर.टी. अधिनियम में संशोधन एन.पी.ए. के तीव्रतर वसूली में सुविधा प्रदान करेगा.

विधायी परिवर्तन जैसे कि बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधन अधिनियम, 2016, रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 तथा आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ए.आर.सी.) में एफ.डी.आई. निवेश से विदेशी और घरेलू निवेश को आकृष्ट करने में सुधार होगा.

विमुद्रीकरण ने देश में डिजिटल लेन-देन में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है. चूंकि डिजिटल अर्थव्यवस्था समृद्ध हो रही है, इसलिए बैंक, लेन-देनों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल कारोबार मॉडल और नए चैनलों को अंगीकार कर रहा है.

बैंक का निष्पादन

वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान आपके बैंक के निष्पादन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

मुझे आपको सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि जैसा कि विगत ए.जी.एम. में सूचित किया गया था कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान वृद्धि के लिए कृषि, कासा जमाओं, खुदरा, एम.एस.एम.ई. क्षेत्रों के अग्रिम पर बैंक ने ध्यान केंद्रित किया है और कासा जमाओं, खुदरा, कृषि, प्राथमिकता क्षेत्र के एम.एस.एम.ई. अग्रिमों में महत्वपूर्ण वृद्धि किया है.

कम लागत वाले कासा जमाओं में निरपेक्ष और कुल जमाओं की प्रतिशत के रूप में वृद्धि हुई हैं. निरपेक्ष रूप से इनमें 31 मार्च, 2016 को ₹ 34,369 करोड़ से 31 मार्च 2017 को ₹ 43,222 करोड़ की वृद्धि हुई और कुल जमा राशि के प्रतिशत के रूप में इसमें 29.27% से 37.93% तक सुधार हुआ है.

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान खुदरा अग्रिमों ने 10.35% की वृद्धि दर्ज की और 31 मार्च 2016 को ₹ 12,053 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2017 को ₹ 13,301 करोड़ के स्तर पर रहा.

कृषि अग्रिम में 31 मार्च, 2016 को ₹ 15,912 करोड़ से 31 मार्च, 2017 को ₹ 16,375 करोड़ की वृद्धि हुई, जिसमें 2.90% की वृद्धि दर्ज की गई और 18% की विनियामक न्यूनतम को पार कर, समायोजित निवल बैंक ऋण (ए.एन.बी.सी.) का 18.02% रहा.

प्राथमिकता क्षेत्र एम.एस.एम.ई. अग्रिम 31 मार्च, 2016 तक के ₹ 13,957 करोड़ से 31 मार्च, 2017 को ₹ 15,316 करोड़ की वृद्धि कर, 9.74% की वृद्धि दर्ज की.

प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम 31 मार्च, 2016 को ₹ 34,117 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2017 को ₹ 36,992 करोड़ रहा, जिसमें 8.43% की वृद्धि दर्ज की गई और 40% की विनियामक न्यूनतम को पार कर, समायोजित निवल बैंक ऋण (ए.एन.बी.सी.) का 40.71% रहा.

आपके बैंक का कुल व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के ₹ 10,437 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2016-17 में मामूली कमी के साथ ₹ 10,042 करोड़ रहा और विगत वित्तीय वर्ष के

परिचालनगत व्यय के उसी स्तर पर बनाए रखा.

जमाओं की लागत वित्तीय वर्ष 2015-16 की 7.20% से घटकर वित्तीय वर्ष 2016-17 में 6.43% रही.

बैंक का परिचालनगत लाभ 50.24% की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2015-16 के ₹ 925.30 करोड़ से वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए ₹ 1390.21 करोड़ रहा.

शुद्ध हानि को देखते हुए, बैंक के निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए किसी भी लाभांश की सिफारिश नहीं की है.

आस्ति गुणवत्ता

आपके बैंक ने एनपीए में कमी लाने के लिए अत्यधिक प्रयास किए और विगत वर्ष के दौरान ₹ 728 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 1,120 करोड़ की नकदी वसूली की.

विगत वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 66 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 115 करोड़ बट्टे खाते डाले गए खातों से वसूल किए गए.

31 मार्च, 2017 को, सकल एन.पी.ए. विगत वर्ष के दौरान ₹ 8,560 करोड़ की तुलना में ₹12,619 करोड़ रहा. प्रतिशत के रूप में यह गत वर्ष के दौरान 9.98% की तुलना में 16.27% रहा है.

31 मार्च, 2017 को, सकल एन.पी.ए. विगत वर्ष के दौरान ₹ 5230 करोड़ की तुलना में ₹ 7735 करोड़ रहा, प्रतिशत के रुप में विगत वर्ष के दौरान 6.35% की तुलना में 10.66% रहा.

पूंजी पर्याप्तता मानदंड

बेसल III के अंतर्गत 10.25% की विनियामक आवश्यकताओं की तुलना में पूंजी का जोखिम (भारित) आस्ति अनुपात (सी.आर.ए.आर.) में 31 मार्च, 2016 को 11.00% से 31 मार्च, 2017 को 11.39% का सुधार हुआ.

इसी प्रकार, बैंक का टियर I पूंजी अनुपात 8.25% की विनियामक आवश्यकता की तुलना में 31 मार्च, 2016 को 8.59% से बढ़कर 31 मार्च, 2017 को 9.05% हो गया.

शाखा विस्तार

कार्यक्षेत्र को बढ़ाने की दृष्टि से, आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष के दौरान 30 नई शाखाएं खोली हैं. 31 मार्च, 2017 को देश भर में 1,874 शाखाएं हैं, जिनमें से 58% शाखाएं ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं.

मानव संसाधन विकास

वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने 129 परिवीक्षाधीन अधिकारियों, 113 विशेषज्ञ अधिकारियों, 281 लिपिकों और 224 अधीनस्थ कर्मचारियों की भर्ती की है. वर्तमान में बैंक की मानव संसाधन की संख्या 13,985 है जिसमें से 3,750 महिलाएं हैं.

डिजिटल पहल

आपके बैंक ने नकदीरहित अर्थव्यवस्था की सुविधा प्रदान करने के लिए बहुत प्रगति की है. सफलतापूर्वक की गई विभिन्न डिजिटल पहल निम्नानुसार हैं:

1. 25 गांवों का डिजिटलीकरण;
2. 95 ई-स्मार्ट केंद्रों की स्थापना,
3. 5,300 बिक्री केन्द्र (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीनों का संस्थापन,
4. यूपीआई, भीम, भीम आधार आदि जैसे नए मोबाइल बैंकिंग चैनलों का शुभारंभ,
5. "देनारिवार्ड्ज" निष्ठा कार्यक्रम का आरंभ,
6. इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और संग्रहण सेवाएं प्रदान करने के लिए पे यू के साथ गठजोड़ व्यवस्था,
7. रिलायंस जियो मनी वॉलेट के साथ गठजोड़ व्यवस्था

डेबिट / क्रेडिट का उपयोग करते हुए अपने खाते से नकदी आहरण में जनता को सक्षम बनाने के लिए आपके बैंक ने कई अस्थायी मोबाइल एटीएम और पीओएस टर्मिनलों के साथ बैंक कर्मचारियों को तैनात करके दूरदराज के क्षेत्रों सहित देश भर में नोट-बंदी पश्चात् आम जनता के नकदी संकट को दूर करने के लिए असाधारण उपाय किए हैं. ये सुविधाएं न केवल ग्राहकों को बल्कि जनता के लिए भी महत्वपूर्ण स्थानों जैसे अस्पताल, हाउसिंग सोसायटी, शिक्षण संस्थान, भीड़ भरे स्थानों आदि जगह बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराई गई थी. इस नवोन्मेषी पहल ने जनमानस के बीच बैंक के लिए बहुत बड़ी ख्याति और प्रचार हासिल किया.

अन्य पहलें

1. देना निवास आवास ऋण योजना के अंतर्गत ओवरड्राफ्ट और टॉप-अप की सुविधा.
2. ग्राहकों की आवश्यकताओं को निर्बाध तरीके से पूर्ण करने के लिए बैंक ने विभिन्न गठजोड़ व्यवस्था किया हैं जैसे:
    1. सामान्य बीमा कारोबार के लिए चोला एम.एस. जनरल बीमा कंपनी और स्वास्थ्य बीमा उत्पादों के वितरण के लिए अपोलो म्यूनिच हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ गठजोड़ व्यवस्था की हैं.
    2. किसानों / व्यापारियों / प्रोसेसरों / आढ़तियों आदि को उनके द्वारा जारी किए गए गोदाम रसीदों की गिरवी के समक्ष वित्त प्रदान करने के लिए मेसर्स स्टार एग्री वेयरहाउसिंग और कोलेटरल मैनेजमेंट लिमिटेड, मेसर्स एडलवाइज एग्री वैल्यू चेन लिमिटेड, मेसर्स नवज्योति कमोडिटी मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड.
    3. किसानों को कृषि मशीनरी / उत्खनन आदि की खरीद के लिए वित्तपोषण हेतु मेसर्स जेसीबी इंडिया लिमिटेड.
    4. नए वाणिज्यिक वाहनों / अर्थ मूविंग उपकरणों (3 पहिया वाहनों के अलावा) और कारों के वित्तपोषण के लिए मेसर्स टाटा मोटर्स लिमिटेड
    5. वाणिज्यिक वाहनों / उपकरण (3 पहिया वाहनों के अलावा) को वित्तपोषण के लिए मेसर्स एएमडब्ल्यू मोटर्स लिमिटेड
    6. लघु सड़क परिवहन संचालक (एसआरटीओ) योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक वाहनों (3/4 पहिया वाहनों) के वित्तपोषण के लिए मेसर्स अशोक लीलैंड लिमिटेड
    7. माविम द्वारा चिह्नित महिला स्वयं सहायता समूह को वित्तपोषण के लिए मेसर्स महिला आर्थिक विकास महामंडल (एम.ए.वी.आई.एम.)

समावेशित संवृद्धि

आर्थिक संवृद्धि का लाभ लेने के लिए, हमें इसे समावेशित बनाने की आवश्यकता है. अपने फायदे के लिए बहुमूल्य होने के अलावा, समावेशित संवृद्धि वास्तव में आगे आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने का एक सूचक्र परिणाम हो सकता है. आपके बैंक ने इस क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य किया है.

आपके बैंक ने प्रधान मंत्री जन-धन योजना [पी.एम.जे.डी.वाई.] के अंतर्गत 18.50 लाख खातों के लक्ष्य की तुलना में 39.90 लाख खाते खोले हैं और 26.14 लाख रुपे कार्ड भी जारी किए हैं.

आपके बैंक ने वित्तीय समावेशन के अंतर्गत आवंटित सभी 6,439 गांवों को कवर किया है. उपर्युक्त में से 5,758 गांवों को बी.सी. मॉडल के माध्यम से और 681 गांवों को पारंपरिक बैंकिंग के माध्यम से कवर किया है.

आपके बैंक ने मार्च 2017 को आधार संख्या के लिए 9.86 करोड़ निवासियों का नामांकन किया है और यू.आई.डी.ए.आई. के गैर-राज्य पंजीयकों में शीर्ष स्थान है.

भावी योजनाएं

वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए, आपका बैंक मुख्य रूप से एन.पी.ए. कम करने पर ध्यान केंद्रित करेगा.

वृद्धि के लिए, बैंक कासा जमा और कृषि, खुदरा और एम.एस.एम.ई. क्षेत्रों में और अग्रिमों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा.

वर्ष 2007 के दौरान, बैंक ने कोर बैंकिंग समाधान के कार्यान्वयन के रूप में एक प्रौद्योगिकी रूपांतरण की पहल की है. इस प्रक्रिया में, बैंक शाखाओं को चरणों में सी.बी.एस. प्लेटफॉर्म के अधीन लाया गया और सभी शाखाएं दिसंबर 2009 से सीबीएस के अधीन हैं. प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, आपका बैंक भारत के किसी भी बड़े बैंक के बराबर है. प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इस असाधारण उपाय ने बैंक को अपनी कार्य-पद्धति में सुधार करने में सक्षम बनाया है.

उत्पादकता, लाभप्रदता, और ज़ोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अब बैंक ने एक और महत्वपूर्ण रूपांतरण की यात्रा शुरू की है जिसे "देना प्रगति" का नाम दिया गया है.

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एक विश्व प्रसिद्ध रणनीतिक सलाहकार फर्म, इस रूपांतरण प्रक्रिया में बैंक को मार्गदर्शन प्रदान करेगा.

आभार

अंत में, मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड, बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण और अन्य सभी हितधारकों को उनके बहुमूल्य संरक्षण, मार्गदर्शन, समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूं और समयोचित सलाह और उनके निरंतर समर्थन और सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

वित्तीय वर्ष 2016-17 की चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान अपने मूल्यवान संरक्षण और समर्थन के लिए सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों को भी मैं धन्यवाद देता हूं और उनके निरंतर संरक्षण प्राप्त करने की अपेक्षा करता हूं.

बैंक का मंडल इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान बैंक का लगातार मार्गदर्शन कर रहा है और मैं उनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन की सराहना करता हूं.

मैं बैंक को दिए जा रहे समर्थन के लिए नाबार्ड, सिडबी और अन्य वित्तीय संस्थानों, बैंकों और प्रतिनिधियों का भी आभारी हूं.

अंत में, बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा किए गए अथक और अनवरत प्रयासों की सराहना करता हूं, जिनके सहयोग के बिना इस चुनौतीपूर्ण समय में हासिल की गई प्रगति संभव नहीं हो सकती थी. संस्थान को दिए जा रहे निरंतर समर्थन के लिए स्टाफ के परिवार सदस्यों के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं.

मैं आगामी वर्षों में बैंक की निरंतर प्रगति के लिए सभी हितधारकों के निरंतर सहयोग और समर्थन की अपेक्षा करता हूं.

शुभकामनाओं सहित

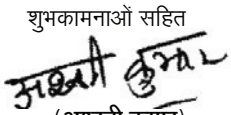

(**अश्वनी कुमार**)

MESSAGE FROM THE CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to place before you the Annual Report of your Bank for the fifth year in succession.

During the year:

i. Government of India, infused capital twice in your Bank. In the first instance, in the month of September, 2016 it infused an amount of ₹ 446 cr as capital and in the second instance, in the month of March, 2017 it infused an amount of ₹ 600 cr.

ii. Life Insurance Corporation of India subscribed ₹ 172.33 cr to Preferential Issue of Shares of the Bank.

iii. General Insurance Corporation of India subscribed ₹ 20 cr to Preferential Issue of Shares of the Bank.

These capital infusions and subscriptions enabled your Bank to post an improved Capital Adequacy Ratio of 11.39 % even in these stressful times.

In its continuous effort to bring down the cost, Bank raised an amount of ₹ 400 cr by issue of Basel III compliant Tier II Bonds at a coupon rate of 8.76% and redeemed Bonds issued at a coupon rate of 9.20% amounting to ₹ 300 cr.

For the second year in a row, the Bank's strong brand image was validated in the Economic Times Brand Equity survey of "Most Trusted Brands – 2016" where your Bank was Ranked 10th amongst all Public Sector Banks under the Strong Brand Equity category. As stakeholders of the Bank, it is a proud moment for each one of us.

Before apprising you about other performance highlights of the Bank for the FY 2016-17, I wish to touch upon the global and Indian economic environment and Indian banking industry trends which outline the challenges and opportunities in the operating environment in which your Bank is functioning.

Economic Overview

Global growth is consistently good since summer 2016, which adds up to a brightening Global Outlook. The growth is gaining momentum with buoyant financial markets and a long-awaited cyclical recovery in manufacturing and trade. As per IMF estimates Global Growth is projected to grow at 3.5% in 2017 from 3.1% in 2016.

Indian Economy

The financial year 2016-17 brought tectonic shift in Indian Economy in the form of "Demonetization, Insolvency & Bankruptcy Code and GST Bill". These historical events coupled with other Regulatory & Structural reforms announced conjointly by Government of India and Reserve Bank of India has made India a bright spot for Business and Investment amongst Emerging and Developing Economies.

Major international agencies have continued to pose their confidence in Indian economy. The Asian Development Bank (ADB) has also highlighted that South Asia's expansion would be driven by faster recovery in India.

The historic move of Demonetization can be seen as a step towards making India a less Cash Economy. India is rapidly advancing towards joining the First World Nations and is focusing on new opportunities through initiatives such as Digital India, Smart Cities, Make in India and Startup India etc.

Another significant move of rolling out Goods and Services Tax (GST) will reshape the Indirect Tax structure by subsuming majority of indirect taxes like excise, sales and services levies. It is also expected to boost the 'Make in India' programme as manufacturers will get substantial input tax credits for capital goods.

Banking Industry Trends

Contours of Banking Industry have started expanding with the commencement of operations by Payments and Small Finance Banks and Fintech Companies. However, challenges remain for the Banking Industry in the form of ballooning NPAs and sluggish Credit growth.

Enactment of Insolvency & Bankruptcy Code and Amendments to SARFAESI and DRT Act will create an environment for resolution of Non-Performing assets.

Legislative changes such as Benami Transaction (Prohibition) Amendment Act, 2016, Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016 and on FDI investment in Asset Reconstruction Companies (ARCs) will improve investment sentiments.

Demonetization has also paved way for increase in digital transaction in the country. As the Digital Economy starts flourishing, Banks are embracing various Digital Business models and new channels to promote transactions.

Performance of the Bank

The key highlights of your Bank's performance during the FY 2016-17 are:

I am glad to inform you that as informed in the last AGM, Bank focused on and achieved significant growth in CASA deposits, Retail, Agriculture and Priority Sector MSME advances during the FY 2016-17.

Low cost CASA deposits increased both in absolute terms and as a percentage to Total Deposits. In absolute terms it has increased from ₹ 34,369 cr as on 31st March, 2016 to ₹ 43,222 cr as on 31st March 2017 and as a percentage to Total Deposits it has improved from 29.27% to 37.93%.

Retail advances registered a growth of 10.35% during the FY 2016-17 and stood at the level of ₹ 13,301 cr as on 31st March 2017 as against ₹ 12,053 cr as on 31st March 2016.

Agricultural Advances increased from ₹ 15,912 cr as on 31st March, 2016 to ₹ 16,375 cr as on 31st March, 2017, registering a growth of 2.90% and constituted 18.02% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC), surpassing the regulatory minimum of 18%.

Priority Sector MSME advances increased from ₹ 13,957 cr as on 31st March, 2016 to ₹ 15,316 cr as on 31st March, 2017, registering a growth of 9.74%

Priority Sector Advances increased from ₹ 34,117 cr as on 31st March, 2016 to ₹ 36,992 cr as on 31st March, 2017, registering a growth of 8.43% and constituted 40.71% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC), surpassing the regulatory minimum of 40%.

Your Bank has marginally reduced Total Expenses from ₹ 10,437 cr for FY 2015-16 to ₹ 10,042 cr for FY 2016-17 and maintained the Operating Expenses at the same level as previous FY.

Cost of Deposits decreased from 7.20% for FY 2015-16 to 6.43% for FY 2016-17

Operating Profit of the Bank increased by 50.24% from ₹ 925.30 cr for FY 2015-16 to ₹ 1390.21 cr for FY 2016-17.

In view of the net loss, the Board of Directors of the Bank has not recommended any dividend for FY 2016-17.

Asset Quality

Your Bank made intense efforts towards NPA reduction and during the FY 2016-17 made cash recovery of ₹ 1,120 cr as against ₹ 728 cr during previous year.

During the FY 2016-17 an amount of ₹ 115 cr was recovered from Written-Off accounts and as against ₹ 66 cr during previous year.

As on 31st March, 2017 Gross NPAwstood at ₹ 12,619 cr as against ₹ 8,560 cr during the previous year. In percentage terms it is at 16.27% as compared to 9.98% during the previous year.

As on 31st March, 2017 Net NPA stood at ₹ 7,735 cr as against ₹ 5,230 cr during the previous year. In percentage terms it is at 10.66% as compared to 6.35% during the previous year.

Capital Adequacy Norms

The Capital to Risk (Weighted) Asset Ratio (CRAR) under Basel III

improved from 11.00% as on 31st March, 2016 to 11.39% as on 31st March, 2017 as against regulatory requirement of 10.25%

Similarly, Tier I capital ratio of the Bank increased from 8.59% as on 31st March, 2016 to 9.05% as on 31st March, 2017 as against regulatory requirement of 8.25%

Branch Expansion

With a view to enhance the coverage, your Bank has opened 30 new Branches during the Financial Year. As on 31st March, 2017 Bank is having 1,874 Branches spread across the country. 58% of the Branches are in Rural and Semi Urban Area.

Human Resource Development

During the year, your Bank recruited 129 Probationary Officers, 113 Specialist Officers, 281 clerks and 224 Sub-staff. The current Human Capital of the Bank is 13,985 of which 3,750 are women.

Digital Initiatives

Your Bank has taken long strides to facilitate less Cash Economy. The various digital initiatives successfully undertaken are:

1. Digitalization of 25 villages;
2. Establishment of 95 E Smart Centres,
3. Installation of 5,300 Point of Sale machines,
4. Launching of new mobile banking channels such as UPI, Bhim, Bhim Adhaar etc.
5. Introduction of "DenaRewardz" loyalty program
6. Tie-up with Pay U for providing Electronic Payment and Collection services
7. Tie-up with Reliance Jio Money wallet

Your Bank took extraordinary steps to alleviate the post-note-ban cash crunch woes of common people across the country including remote areas by deploying many temporary mobile ATMs and Bank staff with POS terminals to enable public to withdraw cash from their accounts using debit/credit cards. These facilities were made available not only to customers but also to public at large and at crucial places like hospitals, housing societies, education institutions, crowded places, etc. These innovative initiatives garnered a huge amount of goodwill and publicity for the Bank.

Other Initiatives

1. Overdraft and Top-up facilities under Dena Niwas Housing loan Scheme.
2. With a view to address customer requirements in a seamless manner Bank has entered into various tie-ups such as:
   - i. Tie up with Chola MS General insurance company for general insurance business and Apollo Munich Health Insurance Company Ltd. for distribution of health Insurance Products
   - ii. M/s. Star Agri Warehousing and Collateral Management Limited, M/s Edelweiss Agri Value Chain Limited, M/s Navjyoti Commodity Management Services Limited for providing finance to farmers / traders /processors / Arthiyas etc. against pledge of warehouse receipts issued by them.
   - iii. M/s JCB India Limited for financing to farmers for purchase of farm machineries / Exavators etc.
   - iv. M/s Tata Motors Limited for financing new commercial vehicles / Earth moving equipment (other than 3 wheelers) and Cars
   - v. M/s. AMW Motors Limited for financing to commercial vehicles / equipment (other than 3 wheelers)
   - vi. M/s. Ashok Leyland Limited for financing commercial vehicles (3/4 wheelers) under Small Road Transport Operators (SRTO) scheme
   - vii. M/s Mahila Arthik Vikas Mahamandal (MAVIM) for financing Women Self Help Groups identified by MAVIM

Inclusive Growth

In order to reap the benefits of economic growth, we need to make it inclusive. In addition to being valuable for its own sake, inclusive growth could actually result in a virtuous cycle of fuelling further economic growth. Your Bank has done exceedingly well in this area.

Your Bank has opened 39.90 lac accounts under Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana[PMJDY] against the target of 18.50 lac accounts and also issued 26.14 lac RuPay Cards.

Your Bank has covered all the allotted 6,439 villages under FI. Out of the above 5,758 villages through BC model and 681 villages through Brick & Mortar Branches

Your Bank has enrolled 9.86 crore residents for Aadhar Number as of March 2017 and having top position among Non-State Registrars to UIDAI.

Future Outlook

For the FY 2017-18, your Bank will primarily focus on reducing NPA.

For growth, Bank will continue to focus on CASA deposits and advances to Agriculture, Retail & MSME sectors.

During the year 2007, Bank undertook a technology transformation initiative in the form of implementation of Core Banking Solution. In the process, the Bank Branches were brought under CBS platform in phases and all the Branches are under CBS since December 2009. In terms of technology, your Bank is at par with any of the larger banks in India. This giant step in technology enabled the Bank to improve its functioning.

Now Bank has embarked upon another significant transformation journey called "Dena Pragati" aimed at improving productivity, profitability and managing risks.

The Boston Consulting Group, a world renowned strategic consultancy firm will guide the Bank in this transformation exercise.

Acknowledgement

As I conclude, I express my sincere thanks and gratitude to Government of India, Reserve Bank of India, various State Governments, Securities Exchange Board of India, Insurance Regulatory and Development Authority of India and all other Stake Holders for their valuable patronage, guidance, support and timely advice and seek their continued support and co-operation.

My profound thanks are also due to all the Shareholders, Customers and Well-Wishers for their valuable patronage and support during the challenging period of FY 2016-17 and hope to receive their continued patronage.

The Board of the Bank has been proactively guiding the Bank during these testing times and I want to place on record the appreciation for their encouragement and guidance.

I am also thankful to the NABARD, SIDBI and other Financial Institutions, Banks and Correspondents for their continued support to the Bank.

Last but not least, I wish to place on record, the deep appreciation for untiring and relentless efforts put in by all the staff members of the Bank, without which the progress achieved in these demanding times, would not have been possible. Family members of the staff also need to be acknowledged for their continued support to the Institution.

I look forward for continued cooperation and support from all stakeholders for sustained progress of the Bank in the years to come.

With best wishes,

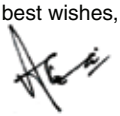

(Ashwani Kumar)